भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1887
उत्तर देने की तारीख 11 फरवरी, 2026

जमुई के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में टावर का उद्घाटन

1887. श्री अरूण भारतीः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान यूएसओएफ 4 जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत जमुई जिले के चकाई और सोनो ब्लॉक के छाया क्षेत्रों में 4जी टावरों को मंजूरी दी है/स्वीकृत किया है, और यदि हां, तो ग्राम-वार स्थिति क्या है और इसकी समयसीमा क्या है;
(ख) जमुई के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 1 जनवरी, 2026 तक टावर शुरू करने से संबंधित भौतिक और वित्तीय प्रगति क्या है;
(ग) क्या वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जमुई में अवसंरचना के उन्नयन के लिए बीएसएनएल द्वारा निधि जारी की गई और उपयोग की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:
(घ) क्या इन सुदूर टावरों तक फाइबर बैकहॉल कनेक्टिविटी में कोई कमी पाई गई है, और यदि हां, तो सुधार की समय-सीमा क्या है; और
(ङ) क्या वित्त वर्ष 2026-27 में जमुई शहर में 5जी परीक्षण स्थलों के लिए नई स्वीकृतियां दिए जाने का विचार है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग): सरकार ने डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) के माध्यम से बिहार के जमुई जिले के गांवों/स्थानों सहित देश भर के उन गांवों में जहां अभी तक ये सेवाएं नहीं पहुंची हैं 4जी मोबाइल सेवाएं प्रदान करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं।

दिनांक 31.12.2025 तक डीबीएन द्वारा वित्त पोषित मोबाइल परियोजनाओं के तहत, कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा किए गए भौतिक सर्वेक्षण के बाद जमुई जिले में योजना बनाए गए 94 गांवों/स्थानों में से 89 गांवों/स्थानों को 4जी मोबाइल सेवाओं द्वारा कवर किया गया है। सूची डीबीएन की वेबसाइट **(https://usof.gov.in/en/home)** पर उपलब्ध है।

इसके अलावा 01.01.2026 तक बिहार में डीबीएन मोबाइल परियोजनाओं के तहत कुल 514.74 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया गया है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 21.48 करोड़ रुपये शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बिहार में डीबीएन निधि से बीएसएनएल द्वारा 19.38 करोड़ रुपयों का उपयोग किया गया था।

(घ) जमुई जिले में डीबीएन परियोजनाओं के तहत चालू किए गए टावरों की बैकहॉल कनेक्टिविटी में कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा किसी कमी की सूचना नहीं दी गई है।

(ङ.) 5जी मोबाइल सेवाएं दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उनसे संबंधित तकनीकी-वाणिज्यिक प्रतिफल पर रोल आउट किए जाते हैं।

*****